बीडीओ ने किया पुष्टाहार का उत्पादन केंद्र का औचक निरीक्षण

SMA - Ashoka Express Publication

अशोका एक्सप्रेस

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती

प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्षः 27 ● अंक : 37 ● नई दिल्ली ● 09 से 15 अक्तूबर 2024 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

एग्जिट पोल के ढोल में कितना बड़ा पोल, माहौल और मिजाज की नब्ज क्यों नहीं आ रही हाथ, कहां हो रहा ब्लंडर

नई दिल्ली । एक वक्त था. अखबार में मौसम के बारे में छपता था. पढ़ने वाले तिरस्कार से कह देते थे- जो लिखा है, उसका उल्टा होगा. वही मौसम विभाग दूसरे तमाम देशों में बिल्कुल सही आदांजा लगा कर किसानों की मदद करता रहा. यहां तक कि उसी दौर में दूसरे देशों के मौसम विभाग के अंदाजे को मान कर ही जहाजें सुरक्षित चला और उड़ा करती थी. लेकिन यहां कुछ गड़बड़ हो जाती थी. हाल के कुछ वर्षों से अपना मौसम विभाग भी तकरीबन ठीक ठीक भविष्यवाणी करने लगा. अगर चुनावी सर्वे और एग्जिट पोलो की बात की जाय तो वो अब पुराने वाले मौसम विभाग की हालत में पहुंच गया है. जो अंदाजा लगा कर डुगडुगी बजा रहा है नतीजे उससे उलट आ जा रहे हैं. इस बार हरियाणा चुनावों की बात की जाय तो ट्रेंड ही उलट गया. ट्रेंड से मतलब ये है कि सभी एग्जिट पोल कांग्रेस की सरकार बनने की बात कर रहे थे, बनने जा रही है बीजेपी सरकार. हां, हरियाणा की ही बात हो रही है. एग्जिट पोल के नतीजे देख कर कुछ बीजेपी नेता भी हार के कारणों में खोज में लग गए थे. हां, टीवी पर जरुरत गला फाड रहे थे . अभी नतीजे तो आने दीजिए. चिंता उनके गला फाड़ने या फिर इस चुनाव में ट्रेंड के उलट जाने से नहीं है. फिक्र ये है कि फिर दर्शक भरोसा किस पर करें. टीवी चैनल सर्वे एजेंसियों को एग्जिट पोल या सर्वे के लिए मोटी रकम फीस के तौर पर देते हैं. आजकल तो कांग्रेस-बीजेपी भी सर्वे करा कर ही टिकट बांट रहे हैं. पता न उन्हें कितना सही रिजल्ट मिल रहा है. हरियाणा चुनावों के नतीजों की बात की जाय तो वहां सारे आंकड़े और उनके निषर्कष धरे रह गए. हालांकि

एग्जिट पोल कराने वाली कंपनियां ये नहीं मान रही हैं कि उनके पास आंकड़े गलत आए थे.

कुछ एजेंसियां ये जरूर मान रही है कि प्रासेस में कोई गड़बड़ हुई है. मनोज कुमार सिंह मेट्राइज नाम की सर्वे एजेंसी के संचालक है. वे मानते हैं कि प्रासेस में कुछ न कुछ गलत हुआ है. उनका कहना है कि वे खुद इसे समझने की कोशिश कर रहे हैं. उनका दावा है क वे जो सर्वे कराते हैं उसके बोगस होने का सवाल ही नहीं है. फील्ड में सर्वे में जाने वालों के लोकेशन को मोबाइल से कैप्चर किया जाता है. क्वालिटी पर एआई से नजर रखी जाती है. तो क्या जानकारी देने वाले ने ही सर्वेयर को गलत जानकारी दी? इस सवाल पर मनोज कुमार का कहना है कि ऐसा नहीं कि सर्वे में मिली राय को अलहदा रख कर कोई फैसला ले लिया जाय. उसका मिलान सोशल प्लेटफार्मों पर चल रहे ट्रेंड्स से भी किया जाता है. दूसरे सर्वे एजेंसियों पर कुछ कहने की जगह मनोज बार अपनी एजेंसी के आंकड़ों की ट्रांसपरेंसी का भी दावा करते हैं. वे कहते हैं कि उन्होंने अपने लिए एआई साफ्टवेयर का भी इस्तेमाल किया. लेकिन नतीजे उलटे आए. आम तौर पर एग्जिट पोल या फिर सर्वे के लिए एजेंसी हॉयर करते समय टीवी चैनल एग्जिट पोल के नतीजों के समर्थन में आकंड़ों और दस्तावेजों को भी तलब करते हैं. एग्जिट पोल कराने वालों को ढेर सारे कागजों के साथ बहुत सारे आंकड़े साफ्ट फॉर्मेट में क्लाइंट को देने होते हैं. ये अलग बात है कि ज्यादातर चैनलों को उस पूरे आंकड़े की जांच करने का वक्त नहीं मिलता. चैनल बहुत चिंतित हुआ तो वो थोड़े से आंकड़ों और कुछेक कागजों को देख लेता है लेकिन कहा जा सकता है कि पूरे का सत्यापन नहीं कराता. फिर जो नतीजे सर्वे एजेंसियों की ओर से मिले उन्हें ही छाप दिया जाता है या दिखा जाता है.

ऐसे में सीटों की संख्या में थोड़ा बहुत घट-बढ़ होने पर तो उसकी अनदेखी कर दी जाती है, लेकिन जब हारती बताई जा रही पार्टी सरकार बना ले तो इसे ट्रेंड उलट जाना माना जाता है. ये स्थिति बहुत खराब होती है. हरियाणा में ऐसा ही हुआ है. इस बारे में देश के जाने माने चुनाव विश्लेषक यशवंत देशमुख से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने कहा कि सारे नतीजे आ जाने के बाद विश्लेषण करके ही वे कुछ कह सकेंगे.

कश्मीरी गेट आईएसबीटी जा रहे हैं तो साथ ले जाएं खाने-पीने का सामान, नहीं तो अब झेलनी होगी परेशानी

नई दिल्ली। यह आम तौर पर होता है कि जब आप कहीं जाने के लिए बस में बैठने जाते हैं तो खाने के हल्के आइटम खरीद कर रख लेते हैं और पीने के लिए पानी की बोतल, शीतल पेय आदि खरीद लेते हैं, बच्चे अगर साथ हैं तो यह जरूरत और बढ़ जाती है। ज्यादा मामलों में बस अड्डे पर ही यह सामान खरीदा जाता है। अब अगर आप कश्मीरी गेट आईएसबीटी से बस पकड़ने जा रहे हैं तो इसकी उम्मीद बिल्कुल ना करें, ऐसे में बेहतर होगा कि आप घर से ही ये सामान साथ लेकर जाएं। इस बस अड्डे पर खाने-पीने के आइटम वाली सभी दुकानें बंद की गई हैं। भोजन, बिस्कुट से लेकर पानी बेचने तक की अब यहां मनाही है। परिवहन विभाग ने कहा कि गंदगी दूर करने के लिए यह कदम उठाया गया है और पीने का पानी निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। मगर जनता को परेशानी भी हो रही है ।क्योंकि अब पुलिस की सख्ती से बस अड्डे के बाहर से भी खाने-पीने का सामान बेचने वाले गायब हो गए हैं। विभाग का कहना है कि कश्मीरी गेट अंतर्राज्यीय बस अड्डे पर फूड वैडिंग मशीनें लगाई जाएंगी, जिसमें पैसे डालकर पैकेटबंद खाना या पीने का सामान लिया जा सकेगा।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें : एक बार फिर दिल्ली मेट्रो में आई खराबी, अब रेड लाइन पर सेवा प्रभावित

नई दिल्ली । दिल्ली मेट्रो में एक बार फिर तकनीकी खराबी की वजह से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इससे पहले यलो लाइन और अब रेड लाइन पर सेवा प्रभावित हुई है। डीएमआरसी ने एक्स पर पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। फिलहाल, फिर से सेवा बहाल हो गई है। डीएमआरसी ने बताया कि मंगलवार को तकनीकी खराबी की वजह से दिल्ली मेट्रो की रेड लाइन पर वेलकम और सीलमपुर स्टेशनों के बीच सेवाएं प्रभावित रही हैं। जिसकी वजह से सुबह के वक्त लोगों को यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह के वक्त ऑफिस जाने वाले यात्रियों को परेशानी हुई। रेड लाइन दिल्ली के रिठाला को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से जोड़ती है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने एक्स पर लिखा कि वेलकम से सीलमपुर के बीच तकनीकी खराबी की वजह से सेवाओं में देरी हुई। अन्य सभी लाइनों पर सेवा सामान्य

रूप से चल रही है। अधिकारियों ने कहा कि तकनीकी समस्या के कारण देरी हुई है। जानकारी के लिए बता दें कि इससे पहले बीते सोमवार को हैदरपुर बादली मोड़ और जहांगीरपुरी स्टेशनों के बीच कुछ शरारती तत्वों द्वारा सिग्नलिंग केबल को क्षतिग्रस्त करने के बाद येलो लाइन पर सेवा प्रभावित हुई थी।

घर के बाहर खेल रहा था बच्चा, रिश्तेदारों ने किया अगवा; ऐसे हुआ खुलासा

नई दिल्ली । कमला मार्केट इलाके में लड़के की चाहत में तीन रिश्तेदारों ने साजिश रचकर अपने किराएदार के बच्चे का अपहरण कर लिया। पुलिस अधिकारी के अनुसार, 4 अक्टूबर को एक गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया। पुलिस थाना कमला मार्केट में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि उसका तीन वर्षीय बेटा घर के बाहर खेल रहा था, बाद में जब उसने अपने बेटे को देखा तो वह वहां से गायब था।

महाकुंभ में शामिल हो सकते हैं 50 करोड़ श्रद्धालु, पर्यटन मंत्री बोले- 10 दिसंबर तक पूरे हो जाएंगे सारे काम

लखनऊ । पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन महाकुंभ अगले साल प्रयागराज में होगा। 2019 में हुए अर्ध कुंभ में 24 करोड़ श्रद्धालु आए थे। इस बार जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ में 50 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विभिन्न योजनाओं के तहत श्रद्धालुओं की सुविधा के काम हो रहे हैं। दो दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तैयारियों की समीक्षा की है। 10 दिसंबर तक सारे काम पूरे होंगे। प्रधानमंत्री मोदी भी 10 दिसंबर के बाद कभी भी आ सकते हैं। पर्यटन मंत्री मंगलवार को लोकभवन में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि संस्कृति विभाग पूरे विश्व में कुंभ का प्रचार करेगा। हर राज्य व उसकी राजधानी में, यूपी के सभी मंडल पर आयोजन होंगे। सभी अकादमियों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है। पूरे प्रदेश में रोड शो, बाल कुंभ, कवि कुंभ, भक्ति कुंभ और कला संस्कृति कुंभ का आयोजन होगा। फोटो प्रतियोगिता और प्रदर्शनी का भी आयोजन होगा। उप शास्त्रीय गायन, वादन होगा।

जम्मू कश्मीर के परिणाम पर महबूबा मुफ्ती ने एनसी-कांग्रेस को दी बधाई, कहा- केंद्र को लेना चाहिए सबक

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन को खासी सफलता मिली है। वहीं पीडीपी के हिस्से ज्यादा कुछ हाथ नहीं लगा है। विधानसभा चुनाव के नतीजों पर पीडीपी की मुखिया महबूबा मुफ्ती का बयान सामने आया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि केंद्र को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के निर्णायक फैसले से सबक लेना चाहिए और आगामी नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस सरकार के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस नेतृत्व को उसकी जीत पर बधाई दी और कहा कि उनकी पार्टी रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी। मुफ्ती ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मैं नेकां नेतृत्व को उसकी शानदार जीत के लिए बधाई देता हूं। मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी एक स्थिर सरकार के लिए मतदान करने के लिए बधाई देना चाहता हूं, न कि त्रिशंकु विधानसभा के लिए क्योंकि लोगों को विशेष रूप से 5 अगस्त, 2019 के बाद कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। एक स्थिर और मजबूत सरकार है उन समस्याओं के निवारण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि केंद्र को फैसले से सबक लेना चाहिए और सरकार के मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगगर वे ऐसा करते हैं, तो यह विनाशकारी होगा और उनके साथ अब जो हुआ है उससे भी बदतर होगा। महबूबा ने आगे कहा कि उन्होंने (लोगों ने) सोचा कि एनसी-कांग्रेस गठबंधन एक स्थिर सरकार प्रदान करेगा और भाजपा से लड़ेगा और उसे दूर रखेगा। मुझे लगता है कि यही सबसे बड़ा कारण है (एनसी-कांग्रेस गठबंधन की जीत के लिए)।

सम्पादकीय

त्रासदी अकेलेपन की

दिल्ली के वसंत कुंज इलाके के चौहान मोहल्ले में रहने वाला हीरालाल तीसरी मंजिल के 2 कमरों के छोटे से फ्लैट में रहता था। उसकी 4 बेटियां थीं। सबसे बड़ी 26 साल की और सबसे छोटी 20 साल की थी। सभी बेटियां ग्रैजुएट थीं। हीरालाल एक अस्पताल में बढ़ई का काम करता था, लेकिन जनवरी में अचानक उसने नौकरी छोड़ दी थी। बताया जाता है कि उसकी चारों बेटियां दिव्यांग थीं। हीरालाल की पत्नी की मृत्यु एक साल पहले हो गई थी। वह काम पर जाने से पहले बेटियों के लिए खाना बनाता था, उन्हें खिलाता था। उनके दूसरे काम करता था। फिर लौटकर भी खाना बनाता था, उन्हें खिलाता था। एक दिन एक सफाई कर्मचारी को महसूस हुआ कि हीरालाल के घर से बदबू आ रही है। उसने दरवाजा खटखटाया, मगर दरवाजा किसी ने नहीं खोला। मकान मालिक ने भी आकर दरवाजा खोलने की कोशिश की मगर दरवाजा नहीं खुला। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आकर दरवाजा तोड़ा। अंदर जाकर देखा तो एक कमरे में हीरालाल का शव पड़ा था। दूसरे कमरे में चारों बेटियों का। वहां कई गिलास भी मिले और सल्फास के पैकेट भी। पुलिस का अनुमान है कि सभी ने सल्फास खाकर आत्महत्या की है। पड़ोसियों ने बताया कि हीरालाल बहुत चुप रहता था। पत्नी की मृत्यु के बाद वह और अधिक चुप हो गया था। वह अक्सर अपनी बेटियों को अस्पताल ले जाता दिखता था। कोई उससे बातचीत करने की कोशिश भी करता, तो वह बात न करता। यही नहीं अगर कोई उसके घर भी जाए, तो दरवाजा नहीं खोलता था। उसकी बेटियां अक्सर घर में रहती थीं और लेटी रहती थीं। पत्नी की मृत्यु के बाद हीरालाल और भी अकेला हो गया था। उसके भाई की पत्नी ने बताया कि वह अपने रिश्तेदारों और परिवार के अन्य लोगों से भी बात नहीं करता था। यहां तक कि फोन भी नहीं उठाता था। एक बार उसका भाई उससे मिलने आया, तो उसके लिए भी उसने दरवाजा नहीं खोला। यह भी कहा कि वह अपनी बेटियों को बहुत प्यार करता था और उनकी जरूरतों को पूरा करता था। एक बेटी जिसे देखने की समस्या थी, उसने एक दिन उससे कहा कि वह उसे छोड़कर न जाए तो उसने नौकरी छोड़ दी थी। अंतिम बार हीरालाल सी.सी.टी.वी. फुटेज में एक पैकेट लिए दिखता है, जिसमें पुलिस के अनुसार शायद मिठाई थी। हीरालाल इस इलाके में 2018 से रह रहा था। मूल रूप से वह बिहार का रहने वाला था। 6 लोगों के परिवार का ऐसा करुण अंत, पहले मां बीमारी से चली गई और पिता शायद इस दुख को नहीं संभाल पाया कि कल को अगर उसे कुछ हो जाता है, तो उसकी चारों दिव्यांग बेटियों का क्या होगा।इसलिए उसने सबकी जीवन लीला समाप्त करने की सोची होगी। हमारे समाज में जहां किसी साधनहीन, स्वस्थ व्यक्ति का ही जीना दूभर है, वहां निश्चित रूप से गरीब परिवार की इन चारों विकलांग बच्चियों का क्या होता। ये बच्चियां पढ़ी-लिखी थीं। शायद किसी की सही गाइडलाइन मिली होती और मदद भी, तो हो सकता है किसी न किसी प्रकार अपने पांवों पर भी खड़ी होतीं।

जम्मू-कश्मीर : बुलेट पर भारी बैलेट

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर ने एक दशक में अपना पहला विधानसभा चुनाव आयोजित किया। इसने दशकों के उग्रवाद के बाद अपने लोगों द्वारा लोकतंत्र को शांतिपूर्ण तरीके से अपनाने को प्रदर्शित किया। यह चुनाव 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के निरस्त होने और जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के विभाजन के बाद हुए थे। भाजपा ने दावा किया कि अलगाववाद से निपटने, आर्थिक विकास को बढ़ाने और क्षेत्र को देश में पूरी तरह से एकीकृत करने के लिए यह कदम आवश्यक था। 1989 से, राज्य ने उग्रवाद, ङ्क्षहसा और पाकिस्तान द्वारा कथित रूप से प्रायोजित अलगाववादी तत्वों द्वारा चुनावों के बहिष्कार का सामना किया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि शांतिपूर्ण और सहभागी चुनाव ऐतिहासिक हैं, जिसमें जम्मू -कश्मीर के लोगों की इच्छा से प्रेरित होकर लोकतंत्र पहले से कहीं अधिक गहराई से जड़ें जमा रहा है। इस बार, जम्मू और कश्मीर राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग में एकजुट थे, जिसका वादा केंद्र ने पहले किया था। अधिक मतदान ने लोगों की लोकतंत्र के प्रति इच्छा को दर्शाया। राज्य के लोग बंदूक की लड़ाई से थक चुके थे और सामान्य जीवन जीना चाहते थे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने केंद्र शासित प्रदेश के लोगों की प्रशंसा की, जिन्होंने 58.46 प्रतिशत मतदान दर्ज किया, जो 35 वर्षों में सबसे अधिक है। ये चुनाव पिछले चुनावों से अलग थे क्योंकि इस क्षेत्र की राजनीति अब 4 पारंपरिक राजनीतिक दलों,नैकां., पी.डी.पी., कांग्रेस और भाजपा तक सीमित नहीं है। नया जोड़ इन चुनावों में अलगाववादी तत्वों की भागीदारी थी, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है, क्योंकि वे लोग ही थे जिन्होंने अतीत में बहिष्कार का आह्वान किया था। विकास की कमी और बेरोजगारी जैसे कई चुनावी मुद्दों के बावजूद, लोग राज्य के दर्जे की बहाली और एकीकृत जम्मू और कश्मीर चाहते थे। अन्य प्रमुख मुद्दे अनुच्छेद 370, कानून और व्यवस्था, आतंकवाद और सामाजिक-आर्थिक स्थिरता थे। पिछले अगस्त में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, जम्मू और कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किया गया था। परिसीमन पैनल ने जम्मू को 6 अतिरिक्त सीटें और कश्मीर को एक सीट दी। विपक्ष का मानना था कि संतुलन ङ्क्षहदू बहुल जम्मू के पक्ष में झुक रहा था। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को 9 सीटें आरक्षित मिलीं। कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय जांच के दायरे में रहा है। चुनावों का निरीक्षण करने के लिए कई देशों के राजनयिकों के एक समूह को राज्य में ले जाया गया था। उन्हें राज्य का दौरा करने से प्रत्यक्ष जानकारी मिली। इस बार शांतिपूर्ण चुनाव होने के कई कारण हैं। पहला कारण यह था कि पाकिस्तान की न्यूनतम भागीदारी थी, क्योंकि उसे अपनी आंतरिक समस्याओं को सुलझाना था। भारत पाकिस्तान पर इस्लामी आतंकवादियों को प्रशिक्षण, वित्त पोषण और आगे बढ़ाने का आरोप लगाता है, जो मुस्लिम बहुल कश्मीर घाटी की तुलना में हिंदू बहुल जम्मू क्षेत्र को अधिक निशाना बनाते हैं। पाकिस्तान इन आरोपों से इन्कार करता है। दूसरा, कश्मीरी ङ्क्षहसक और अशांत परिस्थितियों में रहने से थक चुके थे। बच्चों की 2 पीढियों ने अपना सामान्य बचपन खो दिया था। सुरक्षा बलों ने ङ्क्षहसा मुक्त चुनाव सुनिश्चित किया। उन्होंने अलगाववादियों की मुक्त आवाजाही को भी रोका। तीसरा, इस बार आतंकवादियों ने चुनाव के बहिष्कार का आह्वान नहीं किया। इसके विपरीत, अलगाववादी खुद ही चुनाव मैदान में उतर आए। कई इलाकों में , जिन्हें कभी आतंक का गढ़ माना जाता था,मतदान में तेजी देखी गई। आतंकवादियों को शायद एहसास हुआ कि उन्हें धन और संरक्षकों की जरूरत है, जिसकी उन्हें कमी थी, इसलिए उन्होंने चुनाव का रास्ता अपनाने का फैसला किया। भाजपा प्रमुख जे.पी. नड्डा ने कहा कि लोगों ने बुलेट को खारिज कर दिया है और बैलेट का रास्ता चुना है। जम्मू और कश्मीर में 90 सीटों के लिए चुनाव में बहुकोणीय मुकाबला देखने को मिला। नैशनल कांफ्रैंस और कांग्रेस ने गठबंधन किया, जबकि भाजपा और पी.डी.पी. महत्वपूर्ण खिलाड़ी थे। घाटी में भाजपा के लिए बहुत कुछ दांव पर लगा था, लेकिन उसका राजनीतिक आधार कमजोर था। जबकि जम्मू में यह महत्वपूर्ण है। पार्टी ने घाटी की 47 सीटों में से केवल 19 पर चुनाव लड़ा। भाजपा घाटी की वास्तविक स्थिति को जानती थी, जहां उसे वोट मिलने की उम्मीद नहीं थी। भाजपा प्रॉक्सी के माध्यम से चुनाव लड़ रही है। भाजपा के एक उम्मीदवार ने स्वीकार किया कि पार्टी को इंजीनियर राशिद, सज्जाद लोन, अल्ताफ बुखारी और गुलाम नबी आजाद से समर्थन मिलेगा। कश्मीरी पंडित अभी भी घर लौटने से डरते हैं। जम्मू और घाटी दोनों में लोग राज्य को 2 केंद्र शासित प्रदेशों में बदलने पर शोक मना रहे हैं। अभी भी बेरोजगारी, दवाओं और मादक पदार्थों का व्यापार जारी है।चुनाव के नतीजे 8 अक्तूबर को आएंगे। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि नैशनल कांफ्रैंस(नैकां)-कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बढ़त है। भाजपा, जिसका घाटी में कोई आधार नहीं है, ने कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों को समर्थन दिया और जम्मू में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर के लोग बधाई के पात्र हैं कि वे निडर होकर मतदान केंद्र पर वोट देने गए।

-कल्याणी शंकर

इंडिया आउट का नारा देने वाले मुइज्जू को भारत की शरण में क्यों आना पड़ा?

भारत के साथ संबंधों के प्रति मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का बदला हुआ दृष्टिकोण कोई आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि मालदीव की राजनीति में अक्सर देखने को मिलता है कि चुनाव अभियानों के दौरान राजनेता जो बयानबाजी करते हैं, वह आधिकारिक नीतिगत निर्णयों में तब्दील नहीं होती। मुइज्जू को राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद भारत की अहमियत समझ आ चुकी है। कर्ज में डूबे अपने देश को उबारने के लिए मुइज्जू को भारत की मदद की सख्त जरूरत है इसलिए चुनावों में इंडिया आउट का नारा देने वाले मुइज्जू भारत की शरण में आये हैं। चीन की यात्रा के दौरान ढेरों आश्वासन मिलने के बावजूद मुइज्जू अपने देश के लिए कुछ ठोस हासिल नहीं कर पाये इसलिए भारत से मदद मांगने आये हैं। हम आपको बता दें कि मालदीव पर बड़ा आर्थिक संकट मंडरा रहा है इसलिए वह चाहता है कि भारत ऋण भुगतान को थोड़ा आसान बना दे। अपनी भारत यात्रा से ठीक पहले मुइज्जू ने अपने देश को वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा था कि दिल्ली द्वीप राष्ट्र की वित्तीय स्थिति से पूरी तरह परिचित है और माले के सबसे बड़े विकास भागीदारों में से एक के रूप में बोझ को कम करने के लिए हमेशा तैयार रहेगी। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भारत और मालदीव ने 40 करोड़ डॉलर की मुद्रा अदला-बदली को लेकर जो समझौता किया है उससे मालदीव को विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े मुद्दों से निपटने में मदद मिलेगी। हम आपको यह भी बता दें कि अभी पिछले महीने ही वैश्विक एजेंसी मूडीज़ ने मालदीव की क्रेडिट रेटिंग यह कहते हुए घटा दी थी कि डिफ़ॉल्ट जोखिम बढ़ गए हैं÷। दरअसल मालदीव को ऋण भुगतान में चूक का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उसका विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर 440 मिलियन डॉलर हो गया है, जिससे कि सिर्फ डेढ़ महीने तक ही वस्तुओं का आयात किया जा सकता है। गौरतलब है कि यह द्विपीय राष्ट्र खाने पीने से लेकर अपनी तमाम जरूरतों के लिए विदेशों से सामान आयात करता है। विदेशों से सामान आयात करने के लिए उसे डॉलर की जरूरत है। विदेशी कर्ज चुकाने के लिए भी उसे डॉलर की जरूरत है। इसलिए मालदीव के सामने मुश्किल यह है कि वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार में पड़े डॉलरों से कर्ज चुकाये या अपनी जनता के लिए जरूरत का सामान मंगवाये। इसके अलावा मालदीव को अपने यहां बुनियादी ढांचे में निवेश की भी जरूरत है ताकि जनता के जीवन स्तर को बढ़ाया जा सके। इसके लिए भी भारत पहले ही मालदीव को विभिन्न बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं के लिए 1.4 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता की पेशकश कर चुका है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि इस साल जनवरी में दोनों देशों के संबंधों में आये तनाव के मद्देनजर भारतीयों ने मालदीव में पर्यटन का बहिष्कार कर दिया था जिससे वहां की अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुँचा है। मुइज्जू को अपनी चीन यात्रा के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग से आश्वासन मिला था कि वह बड़ी संख्या में चीनियों को मालदीव में पर्यटन के लिए भेजेंगे लेकिन चीन से कोई नहीं आया। बताया जाता है कि मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में 50,000 की गिरावट आई है, जिसके परिणामस्वरूप देश को लगभग 150 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। इसलिए मालदीव के राष्ट्रपति ने अपने भारत दौरे के दौरान कहा है कि वह मालदीव में बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटकों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। हम आपको यह भी याद दिला दें कि मुइज्जू ने परोक्ष रूप से भारत पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि इस छोटे से देश को धमकाने का लाइसेंस किसी के पास नहीं है। उन्होंने भारत के लिए अपने सैन्य कर्मियों को देश से वापस बुलाने के लिए 15 मार्च की समय सीमा भी तय की थी। मगर अब मुइज्जू भारत को साथ लेकर चलना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने कहा है कि मालदीव कभी भी ऐसा कुछ नहीं करेगा जिससे भारत की सुरक्षा कमजोर हो। उन्होंने कहा है कि भारत मालदीव का एक मूल्यवान भागीदार और मित्र है और हमारा संबंध आपसी सम्मान और साझा हितों पर बना है। उन्होंने कहा है कि हम विभिन्न क्षेत्रों में अन्य देशों के साथ अपना सहयोग बढ़ाते हैं, लेकिन हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हमारे कार्यों से हमारे क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता से समझौता नहीं हो। जहां तक मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान मालदीव को हुए लाभ की बात है तो आपको बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मिलकर अपने देश में रूपे कार्ड को डिजिटल रूप से जारी किया। इसके अलावा दोनों नेताओं ने हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नये रनवे का उद्घाटन किया और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जतायी। चार दिवसीय राजकीय दौरे पर आए मुइज्जू ने हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी के साथ विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। इस दौरान भारत ने मालदीव को 700 से अधिक सामाजिक आवास भी सौंपे। इसका निर्माण एक्जिम बैंक (भारतीय निर्यात-आयात बैंक) की खरीदार कर्ज सुविधा के तहत किया गया है। मोदी ने मुइज्जू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी ऐलान किया कि अब ग्रेटर माले संपर्क परियोजना में भी तेजी लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि हम थिलाफुशी में एक नये वाणिज्यिक बंदरगाह के विकास में सहायता करेंगे। प्रधानमंत्री ने साथ ही कहा कि भारत और मालदीव ने आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने मालदीव को एक 'घनिष्ठ मित्र' बताया जिसका भारत की पड़ोस नीति और सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और वृद्धि) दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण स्थान है। मोदी ने कहा, ''भारत ने हमेशा एक पड़ोसी देश की जिम्मेदारियों को निभाया है। आज, हमने अपने आपसी सहयोग को रणनीतिक दिशा देने के लिए एक व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी का दृष्टिकोण अपनाया है।'' उन्होंने कहा कि भारत और मालदीव के संबंध सदियों पुराने हैं। और भारत, मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और घनिष्ठ मित्र देश है। वहीं मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के बयान की बात करें तो उन्होंने कहा है कि सरकारी बॉण्ड को आगे बढ़ाने तथा मुद्रा की अदला-बदली के समझौते पर हस्ताक्षर समेत उदारतापूर्वक की गयी सहायता के लिए मैं भारत का आभार जताता हूं। उन्होंने कहा कि मालदीव में भारतीय निवेश बढ़ाने के लिए भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने के लिए मैं उत्साहित हूं। राष्ट्रपति मुइज्जू ने साथ ही कहा कि मालदीव के लिए भारत सबसे बड़ा पर्यटन का स्रोत है, और हमें अधिक भारतीय पर्यटकों का स्वागत करने की उम्मीद है। बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत और मालदीव के बीच पारंपरिक रूप से मजबूत द्विपक्षीय संबंध रहे हैं और भारत इस द्वीप राष्ट्र का एक प्रमुख सहायता प्रदाता है। मुइज्जू ने अपने पूर्ववर्तियों की तरह राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद भारत की जगह चीन की यात्रा कर दिल्ली को चिढ़ाने का जो प्रयास किया था उसका हश्र वह भुगत चुके हैं। मुइज्जू की गलतियों का प्रतिफल मालदीव की आम जनता नहीं भुगते इसका प्रयास भारत ने शुरू से किया और संयम बनाये रखा। आखिरकार अब जब मुइज्जू ने अपनी भूल सुधार ली है तो वही कहावत याद आती है कि सुबह का भूला यदि शाम को घर लौट आये तो उसे भूला नहीं कहते।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें। Phone : 9810674206

बिग बॉस 18 के बाद और काम पाना चाहती हैं शिल्पा, कहा- इस शो का हिस्सा बनने का ये सही समय

बिग बॉस का नया सीजन एक बार फिर धूम-धाम के साथ शुरू हो चुका है। बिग बॉस 18 में इस बार कई नामी-गिरामी चेहरे हिस्सा ले रहे हैं। इन प्रतियोगियों में से एक अनुभवी अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर भी हैं। बिग बॉस का ये सीजन अपने प्रीमियर के बाद से ही काफी चर्चा बटोर रहा है। इस बीच शिल्पा ने घर में शामिल होने से पहले अपने संघर्षों को खुलकर साझा किया है। एक समय पर बेहद मशहूर रहीं अभिनेत्री, जो 90 के दशक और 2000 के दशक की शुरुआत में अपने किरदारों के लिए जानी जाती थीं, उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में उनके लिए काम पाना काफी मुश्किल था। अभिनेता ने काफी भावुक हो कर स्वीकार किया कि उनके लिए अभिनय में काम पाना काफी मुश्किल था। उन्होंने खुलासा किया कि बिग बॉस में प्रवेश करने से पहले, वह सक्रिय रूप से अभिनय के अवसरों की तलाश कर रही थीं। इस दौरान उन्हें कई बार अस्वीकृतियों का सामना भी करना पड़ा। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस डॉट कॉम को दिए एक इंटरव्यू में, ÷ईमानदारी से कहूं, तो मैं बिग बॉस की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। मेरी बेटी हमेशा मुझसे कहती थी कि मुझे भाग लेना चाहिए और अब जब वह 20 साल की हो गई है, तो मुझे लगा कि यह सही समय है। अभिनेत्री ने आगे

कहा, मैं काम की तलाश कर रही थी और लोगों से जुड़ने की कोशिश कर रही थी, लेकिन हर कोई मुझसे कहता रहा कि कोई काम नहीं है। मैं यह इसलिए कर रही हूं, क्योंकि मैं पेशे से एक अभिनेत्री हूं और यह मेरा काम है, इसलिए मेरे लिए इससे बेहतर मंच और क्या हो सकता है?÷ बिग बॉस में भाग लेने को लेकर शिल्पा ने कहा, ÷मैंने हमेशा कहा है कि हां मैं बिग बॉस से पहले काम की तलाश में थी, लेकिन कोई भी आपका फोन नहीं उठाता और अगर उठाता भी है, तो वे कूटनीतिक तरीके से कहते हैं कि अभी इंडस्ट्री में कुछ नहीं हो रहा है। जब मौका मिलेगा तो वे वापस बुलाएंगे, हाल ही में मेरे साथ भी ऐसा हुआ है। मैं एक एक्टर हूं, मैं काम करना चाहती हूं, मेरे लिए बिग बॉस भी काम है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि लोग बिग बॉस को लअलग तरह से देखते हैं, लेकिन यह एक काम है और ऐसा कर के उनका लक्ष्य इसके बाद और अधिक काम पाना है। उन्होंने कहा कि वो यहां नकली या कूटनीतिक नहीं बन रही हैं। उन्होंने कहा कि वो काम मांग रही थी, लेकिन लोग उनसे मिलने के लिए भी तैयार नहीं थे। बताते चलें कि शिल्पा की बहन नम्रता शिरोडकर साउथ के मशहूर अभिनेता महेश बाबू की पत्नी हैं। शिल्पा और नम्रता ने अपने करियर में कई शानदार फिल्मों में काम किया है।

12 दिन में 250 करोड़ के पार ही पहुंच सकी देवरा

जूनियर एनटीआर ने दो साल बाद फिल्म देवरा पार्ट वन से बड़े पर्दे पर वापसी की है। उनकी फिल्म आरआरआर थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की थी। यह फिल्म देश के साथ विदेश में भी खूब पसंद की गई थी। ऑस्कर समारोह में भी फिल्म का जलवा देखने को मिला था और इसके नाटू-नाटू गाने को पुरस्कृत भी किया गया था। इस फिल्म के बाद आई देवरा ने अपनी शुरुआत तो अच्छी की, लेकिन टिकट खिड़की पर फिल्म अब पकड़ बरकरार रखने में नाकाम साबित हुई। पहले दिन इस फिल्म ने 82.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे और तीसरे दिन यह फिल्म अपना जादू बरकरार नहीं रख सकी। देवरा पार्ट वन के पहले हफ्ते के कलेक्शन की बात करें तो पहले हफ्ते में यह आरआरआर से काफी पीछे नजर आई। एस एस राजामौली के निर्देशन में बनी आरआरआर ने सात दिनों में 477.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, देवरा की कमाई इससे आधी ही रही। पहले हफ्ते में देवरा ने 215.6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। दूसरे हफ्ते में भी देवरा टिकट खिड़की पर धीमी रफ्तार के साथ आगे बढ़ रही है। आठवें दिन इसने छह करोड़, नौवें दिन नौ करोड़ 50 लाख, 10वें दिन 12.65 करोड़ और 11वें दिन चार करोड़ 90 लाख रुपये का कलेक्शन किया। ताजा आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने 12वें दिन तीन करोड़ 67 लाख रुपये की कमाई की है, जबकि आरआरआर ने 16.3 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इन आंकड़ों के बाद अब देवरा का कुल कलेक्शन 252.42 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म की धीमी रफ्तार को देखते हुए भारत में देवरा का 300 करोड़ के आंकड़े तक पहुंचना काफी मुश्किल नजर आ रहा है। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर के आलावा जान्हवी कपूर और सैफ अली खान ने भी मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं।

मशहूर सिंगर तुलसी कुमार शूटिंग के दौरान सेट पर लगी चोट, पूरा हादसा वीडियो में हुआ रिकॉर्ड

अपनी मधुर आवाज से लाखों दिलों को जीतने वाली मशहूर गायिका तुलसी कुमार अपने नए म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान सेट पर घायल हो गईं। अपने नए म्यूजिक वीडियो के सेट से तुलसी कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। क्लिप में वह कैमरे के सामने परफॉर्म करती हुई दिखाई दे रही हैं, तभी उनके पीछे का शेड अचानक गिर जाता है। चोट लगने के बाद गायिका तुलसी कुमार दर्द से कराह उठीं। यह घटना कैमरे में कैद हो गई और अब यह डरावना वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। वीडियो में तुलसी ऑफ-व्हाइट ड्रेस पहने हुए दिखाई दे रही हैं। वह शॉट के लिए तैयार होती हैं, लेकिन अचानक पीछे से लकड़ी की दीवार जैसा एक बड़ा सा प्रॉप उनके ऊपर गिर जाता है। प्रॉप गिरते देख सेट पर मौजूद लोगों के चिल्लाने पर गायिका भागने की कोशिश करती हैं। कुछ क्रू मेंबर भी तुलसी को बचाने के लिए उनकी ओर दौड़े। हालांकि उन्हें चोटें आईं। तुलसी ने कहा, मैं इस समय चंडीगढ़ में अपने गाने दिल कुछ होर नहीं मांगदा की शूटिंग कर रही हूं। मुझे एक अप्रत्याशित चुनौती का सामना करना पड़ा, जिसमें एक छोटी सी दुर्घटना हुई, जिससे मेरा हाथ चोटिल हो गया। चिंताओं के बावजूद, खासकर चूंकि यह एक डांस सॉन्ग है, मैं अपनी प्रोडक्शन टीम से मिले त्वरित सहयोग के लिए आभारी हूं। भगवान की कृपा से, मेरे हाथ की हरकत ठीक है और मुझे उमीद है कि हम बिना किसी बाधा के शूटिंग पूरी कर लेंगे।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने पर गदगद हुए सितारे

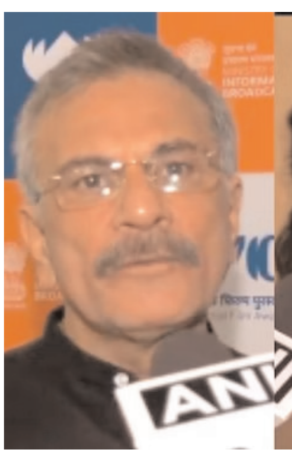

मंगलवार 8 अक्टूबर को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का आयोजन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हो रहा है। इस दौरान सिनेमा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले कलाकारों को सम्मानित किया जा रहा है। 'राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार' सिनेमा के क्षेत्र में दिए जाने वाले सबसे बड़े पुरस्कारों में से एक है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कलाकारों को सम्मानित कर रही हैं। इस दौरान पुरस्कार प्राप्त करने वाले कलाकारों ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। आइए जानते हैं किसने क्या कहा? अभिनेता पवन मल्होत्रा को उनकी फिल्म फौजा के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह उनका दूसरा राष्ट्रीय पुरस्कार है। राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर अभिनेता पवन मल्होत्रा ने कहा, 'राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना बहुत बड़ी बात है। यह मेरा दूसरा राष्ट्रीय पुरस्कार है, पहला 1998 में मिला था। मैंने यह पुरस्कार 'फौजा' के लिए जीता है। मैंने अद्भुत फिल्मों में काम किया है, अद्भुत भूमिकाएं निभाई हैं और बेहतरीन निर्देशकों के साथ काम किया है, लेकिन 'फौजा' मेरे दिल के सबसे करीब है। मैं इसका सारा श्रेय भारतीय सेना को देता हूं।'

ए आर रहमान

संगीतकार ए.आर. रहमान को '70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार' में उनका सातवां राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा। फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वन भाग 1' के लिए सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (बैकग्राउंड स्कोर) का खिताब दिया जाएगा। इस सम्मान को प्राप्त करने पर वह कहते हैं, 'यह पुरस्कार विशेष है और यह मेरा सातवां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार है। मेरा पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मणिरत्नम के साथ फिल्म रोजा के लिए था। यह फिल्म भी उनके साथ है। जब भी मैं उनके साथ काम करता हूं तो यह बहुत खास होता है, वह हम सभी से सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करते हैं।'

ऋषभ शेट्टी

साल 2022 की फिल्म 'कांतारा' दक्षिण की सबसे चर्चित फिल्म रही। इस फिल्म के लिए ऋषभ शेट्टी ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। पुरस्कार प्राप्त करने पर अभिनेता ने कहा, हर फिल्म का एक प्रभाव होता है। हमारा मकसद ऐसी फिल्में बनाना है जो समाज में बदलाव या प्रभाव लाए। मैं दर्शकों का शुक्रिया अदा करता हूं। राष्ट्रीय पुरस्कार एक कलाकार के लिए बहुत प्रतिष्ठित पुरस्कार है।

नित्या मेनन

फिल्म 'थिरुचित्रम्बलम' के लिए प्रमुख भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर, अभिनेत्री नित्या मेनन ने कहा, 'यह अद्भुत और बहुत खास लगता है। कलाकारों के रूप में यह हमारे जीवन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण है। मैं यह पुरस्कार अपने सह-कलाकारों और 'थिरुचित्रम्बलम' की पूरी टीम को समर्पित करना चाहूंगी।

मनोज वाजपेयी

बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार मनोज वाजपेयी ने 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में अपनी फिल्म गुलमोहर को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिलने पर कहा, यह बहुत बड़ी बात है जब इतनी छोटी फिल्म राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती है। शर्मिला जी (शर्मिला टैगोर) ना केवल एक दिग्गज और महान अभिनेत्री हैं, बल्कि एक देखभाल करने वाली, शालीन, विनम्र और प्रतिष्ठित महिला भी हैं। मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है।'

सिंघम अगेन के ट्रेलर ने रचा इतिहास, टूटे सभी रिकॉर्ड, 24 घंटे में इतने करोड़ बटोर डाले व्यूज

सिंघम अगेन ने रिलीज से पहले ही रिकॉर्ड बनाना शुरू कर दिया है। बीते दिन (7 अक्तूबर) को इस फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया मिली। इस फिल्म का ट्रेलर अब सभी प्लेटफॉर्म पर 24 घंटे के भीतर सबसे ज्यादा देखा जाने वाला ट्रेलर बन गया है। रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की इस नई फिल्म के ट्रेलर ने इतिहास रचते हुए एक दिन में रिकॉर्डतोड़ व्यूज बटोर डाले हैं। ट्रेलर को सिर्फ 24 घंटे में ही 13.8 करोड़ बार देखा जा चुका है, जो कि अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड है। इस फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों की उत्सुकता को और अधिक बढ़ा दिया है। सिंघम अगेन के ट्रेलर में दिखाए गए दमदार एक्शन और सम्मोहक कहानी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। यूट्यूब से लेकर इंस्टाग्राम, ट्विटर और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर यह ट्रेलर छा चुका है। ट्रेलर लॉन्च होने के कुछ ही घंटों में पहले नंबर पर ट्रेंड होने लगा। इस फिल्म में कई सितारे नजर आने वाले हैं।

अनन्या पांडे देती हैं हॉलीवुड स्टार्स को टक्कर, मानसिक तनाव को ऐसे करती हैं दूर... क्या है एक्ट्रेस का फिटनेस रूटीन

बॉलीवुड सितारे हमेशा अपनी पर्सनेलिटी से आम लोगों को प्रभावित करते हैं। वह अपनी बॉडी बनाकर फिटनेट बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। कई सारी एक्ट्रेस हैं जो अपनी खूबसूरती के साथ साथ अपनी सेहत का भी काफी अच्छे से ध्यान रखती हैं। इन एक्ट्रेस में फिलहाल अनन्या पांडे टॉप पर हैं क्योंकि वह अपनी जिम में फिटनेस के साथ साथ वेट लिफ्टिंग में भी हाथ आजमा रही हैं। अनन्या पांडे को सोशल मीडिया पर कई तरह के वीडियो फिटनेस को लेकर शेयर करते हुए देखे गया है। अनन्या पांडे आज फिट अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपनी दुबली-पतली और टोंड काया के लिए मशहूर वह आसानी से युवाओं के लिए फिटनेस प्रेरणा बन जाती हैं। तो अगर आप भी जानना चाहते हैं अनन्या पांडे कैसे फिट रहती हैं तो आज हम आपको बताते हैं उनका रुटीन क्या है? अनन्या पांडे मल्टिपल तरह से अपने आप को फिट रखती हैं। पांडे को पिलेट्स और योग करना बहुत पसंद है। वह जिमिंग के साथ साथ योगा और डांसिंग करती हैं। डांसिग से वह कार्डियो और योगा से वह अपना मानसिक तनाव खत्म करती हैं। गहराइयां स्टार बहुत सारे वेट ट्रेनिंग और कार्डियो एक्सरसाइज करती हैं। वह सुबह सबसे पहले योग भी करती हैं। हालांकि, उनका पसंदीदा वर्कआउट पिलेट्स है क्योंकि यह उनके शरीर को स्ट्रेच और रिलैक्स करता है। पांडे को तैराकी और डांसिंग का भी शौक है। और अगर आप भी ऐसा करते हैं तो आप मानसिक और शारीरिक रुप से काफी फिट रह सकते हैं। क्योंकि इसको करने से हेप्पी हारमोन्स रिलीज होते हैं। ऐसे में अनन्या पांडे को भी तैराकी और डांसिंग काफी पसंद है। डांसिग उनके प्रोफेशन के लिए भी एक अच्छा विकल्प हैं इस लिए वह काफी समय डांसिंग को देती हैं। इसके अलावा पांडे अक्सर नए वर्कआउट के साथ खुद को चुनौती देती हैं। इसके अलावा आपको बता दे कि पांडे हठ योग या विन्यास योग का नियमित रूप से घर पर अभ्यास करती हैं, कम से कम सप्ताह में पांच बार। हालांकि, वह खुद को नए-नए वर्कआउट के साथ चुनौती देना भी पसंद करती हैं और इसलिए अपने नियमित वर्कआउट रूटीन में एरियल योगा को शामिल करती हैं। पांडे नियमित रूप से स्वस्थ भोजन करती हैं, अपने दिन की शुरुआत ग्रीन जूस से करती हैं। नाश्ते में, वह मक्खन और ब्लैक कॉफी के साथ ऑमलेट और टोस्ट पसंद करती हैं। दोपहर के भोजन में, वह आमतौर पर ताजी सब्जियों के साथ चिकन सैंडविच खाती हैं। शाम को वह एक और कप ब्लैक कॉफी पीती हैं और नट्स खाती हैं। रात के खाने में, वह आमतौर पर हल्के सूप के साथ ग्रिल्ड फ़िश या चिकन खाती हैं। पांडे पूरे दिन में हर दो घंटे में ढेर सारा पानी, प्राकृतिक ताज़ा जूस और नारियल पानी पीती हैं। उन्हें अंगूर और आम जैसे मौसमी फल बहुत पसंद हैं और समय-समय पर उनका मज़ा लेने से नहीं कतराती हैं। रात के खाने के बाद जब उन्हें भूख लगती है, तो वह डार्क चॉकलेट खाना पसंद करती हैं। वह रविवार को चीट मील लेना भी पसंद करती हैं, जब वह कुछ स्वादिष्ट बर्गर खाती हैं।

सुल्तानपुरी में भव्य रामलीला एवं दशहरा मेला की सुरक्षा राम भरोसे, कोई भी हो सकता हादसे का शिकार

लापरवाही कर चला रहे है नशेड़ी झूले, कभी भी हो सकता है, बड़ा हादसा व घटिया खाने-पीने की सामग्री व मनोरंजन कर की चोरी व अवैध गांजा व शराब पीने-पीलाने का चलन जोरो पर

(वरिष्ठ पत्रकार), विजय कुमार भारती

नई दिल्ली। इन्द्रा पार्क, जलेबी चौक, सुल्तानपुरी में श्री राम धार्मिक रामलीला समिति के द्वारा भव्य रामलीला व दशहरा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। लेकिन मेला संचालक द्वारा बगैर किसी एकांउटिंग के प्रतिदिन 10 से 20 लाख का अवैध कलेक्शन किया जा रहा है। डीडीए के राजस्व विभाग को लगाते है करोड़ो का चूना तथा दिल्ली सरकार को मनोरंजन कर भी नही चुकाते प्रतिदिन लाखो का कारोबार कर रहे है।

समिति के संस्थापक अध्यक्ष, डीडीए से खुली-भूमि की अनुमति धार्मिक आयोजन के लिए लेते है लेकिन कमर्शियल प्रयोग के लिए मेला संचालक को 2 करोड़ में देते है, जिससे डीडीए के राजस्व विभाग को लाखो का चूना लगाते है।

एक हाथ में खेल-खिलाने बेचने वाले से लेकर रेहड़ी, पटरी, खोमचे, स्टोल, झूले, जुए के अड्डे व अश्लील डांस, जादूगर का इंद्रजाल, फोटोग्राफर व बॉल/रिंग फेंककर गरीब जनता को फंसाकर लालच देकर सरेआम जुए का अड्डा चला रहे है।

ऐसे अनगिनत स्टॉल लगे हैं, जिनसे प्रतिदिन, प्रतिस्टॉल के हिसाब से 5 हजार से लेकर 10 हजार रूपये लेते हैं। मेले में लगे झूलो की टिकट 100 रूपये से लेकर 200 रूपये तक रखी गई है, परन्तु सरकार के पास इनका कोई लेखा-जोखा ही नहीं जाता और इसमें प्रतिदिन 10 लाख से लेकर 20 लाख रूपये तक का कलेक्शन ईक्टठी हो रही है, जिससे दिल्ली सरकार के मनोरंजन टैक्स लाखो-करोड़ो का घाटा हो रहा है। ये रस्म अदाएगी के लिए छोटी सी आईटीआर भर सरकार को लाखो-करोड़ों का चूना लगाते हैं। मेले की आड़ में काला-धन खपाकर सफेद रूपये में बदला जा रहा है। ओर तो ओर मेले की सुरक्षा राम भरोसे है, सुरक्षाकर्मियों की भारी कमी है। मेला संचालक राजकुमार ने सुरक्षा के नाम पर आवारातत्व के लोग

रख-रखे है, जो महिलाओ व बड़े बुजुर्गो बच्चो से छेड़छाड़, छीटाकशी और मेले में आने वाले व्यक्तियों से मार-पीट व जेब तक का माल चेक करके निकाल लेते है।

मेले में संचालक राजकुमार ने छोटे बड़े झूले चलाने के लिए नशेड़ी-गंजेड़ी लगा रखे है, जिससे कभी भी मेले में बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी भविष्य में भरपाई तक नही की जा सकती।

ऐसे ही मेले में खाने-पीने की खुलेआम घटिया सामग्री परोसी जा रही है, लोगों के स्वास्थ्य व जान-माल से खिलवाड़ किया जा रहा है। मेले में परा. सी जा रही खाद्य सामग्री में घटिया जला हुआ व सड़ा हुआ तेल व घुन लगे छोले-भठूरे रात के अंधरे में गरीब जनता को बेचे जा रहे है। घटिया खाद्य सामग्री में चाउमीन, टिक्की, दही भल्ले, समोसे, ब्रेड, पेटीज ये सभी परोस कर मेले में आए युवा-युवती व बच्चो को गंम्भीर बिमारियों के शिकार बना रहे है और मेले में रात के अंधरे की आड़ में पाउच बंद पानी पिलाकर लोगो को हैजा, टाइफाइड, मलेरिया जैसी बिमारियों का शिकार बनाकर, उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। मेले व झूले में लगी लाईटो से हर समय स्पार्कींग होती रहती है, मेले के अंदर तो अंदर मेले के बाहर भी अतिक्रमण कर गैर-कानूनी पार्किग चलाई जा रही है और उस पार्किंग में असामाजिक तत्वो के द्वारा चोरी का खेल रात के अंधेरे में किया जा रहा है। सुल्तानपुरी की रामल. ीला, दि.न.नि, रोहिणी जोन, डीडीए, आरएमडी-2 और थाना राजपार्क के दायरा क्षेत्र में आती है और तह बजारी अनुसार इनकी रसीद काटकर डीडीए के खजाने में जानी चाहिए ना की मेला संच. ालक की जेब में।

मेले में आए दर्शकों की जान पर गंभीर खतरा हर समय मंडराता रहता है। हादसे के शिकार दर्शकों के लिए किसी भी प्रकार की कोई सुविधा जैसे इंश्योरेंस तक नही किया जाता। मेले में आग, स्पार्किंग होने पर फायर सिस्टम की व्यवस्था तक नहीं हैं मेले में वायु-ध्वनी प्रदूषण भी हो रहा है। मेले में कानूनी व्यवस्था का तो कोई नाम ही नहीं हैं और रस्म अदाएगी के लिए केवल मेला चौकी पर ही सुरक्षाकर्मी नजर आते है। मेले में दूर-दूर तक सुरक्षाकर्मियों का नाम तक नहीं है। इसी की आड़ में असामाजिक तत्व दर्शकों से बद्तमीजी, जेबतराशी व छेड़छाड़ करते है। सुरक्षाकर्मियों व मेला संचालक से शिकायत लेकर पहुंचने पर छोटी-मोटी बात कह कर भगा देते है, या फिर डाराते धमकाते है, जिस कारण बेच. ारा/डर का मारा दर्शक अपनी जान बचाकर घर चला जाता हैं, या फिर कोई तेज तर्रार महिला/पुरूष स्थानीय पुलिस के पास जाकर शिकायत करता है तो स्थानीय थाना पुलिस चौकी थाने में ले जाकर बिठाकर रस्म अदाएगी व कागजी खानापूर्ति कर मामले को रफा-दफा कर देते है।

अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा माननीय उपराज्यपाल-दिल्ली, आयुक्त-दिल्ली पुलिस मुख्यमंत्री-दिल्ली सरकार से मांग करती है कि पता: इन्द्रा पार्क, जलेबी चौक, सुल्तानपुरी में चलाया जा रहा मेला संचालक राजकुमार के राजस्व कर की चोरी व जुआ और घटिया खाद्य सामग्री परोसने पर कानूनी कार्यवाही व जीएसटी की वसूली की जाए और श्री राम धार्मिक रामलीला समिति को ब्लैकलिस्ट किया जाए, पुनः मेला लगाने की अनुमति नही दी जाए।

राजनीति के दंगल में जीतीं विनेश फोगाट, भाजपा के कैप्टन बैरागी को दी मात

हरियाणा । जुलाना विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की विनेश फोगाट ने 6015 वोटों की बढ़त से जीत दर्ज की है। उन्होंने कुल 65080 वोट प्राप्त किए, जबकि भाजपा के कैप्टन योगेश बैरागी को 59065 वोट मिले। विनेश फोगाट की इस जीत को क्षेत्र में कांग्रेस के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है, क्योंकि उन्होंने भाजपा के मजबूत उम्मीदवार को कड़ी टक्कर देते हुए यह जीत हासिल की है। जुलाना विधानसभा क्षेत्र में चल रहे चुनावों में कांग्रेस की उम्मीदवार विनेश फोगाट ने महत्वपूर्ण बढ़त बनाई है। प्रारंभिक नतीजों के अनुसार, वह अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 6354 वोटों से पीछे छोड़ते हुए 11 राउंड के मतगणना में आगे चल रही हैं। विनेश फोगाट की इस जीत की संभावनाओं से उनके समर्थकों में उत्साह का माहौल है। चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद से ही उनकी जीत की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। कांग्रेस पार्टी के

अन्य नेता भी इस सफलता को लेकर आशान्वित हैं और यह जीत पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण साबित हो सकती है। निर्वाचन अधिकारी इस समय मतगणना के अंतिम राउंड में जुटे हुए हैं, और सभी की निगाहें अब अंतिम नतीजों पर टिकी हुई हैं। जुलाना क्षेत्र में वोटिंग के दौरान कांग्रेस और अन्य दलों के बीच एक तगड़ी प्रतिस्पर्धा देखी गई, लेकिन विनेश फोगाट की बढ़त ने सभी को चौंका दिया है। इस चुनावी जीत के साथ ही विनेश फोगाट ने अपने राजनीतिक करियर में एक नया अध्याय जोड़ा है, जो पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में उभरा है।

मतगणना के अंतिम नतीजों का इंतजार किया जा रहा है, जिससे यह स्पष्ट होगा कि क्या वह अपने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़कर जीत के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर सकेंगी। जींद की जुलाना में मुकाबला जाट बनाम ब्राह्मण पर आकर टिक गया है।

पिछली बार 25 हजार वोटों से जीत दर्ज करने वाली कांग्रेस ने इस बार ओलंपियन विनेश फोगाट को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस विनेश के जाट चेहरे और सेलेब्रिटी स्टेटस को भुनाना चाहती है। दूसरी तरफ भाजपा ने योगेश बैरागी को मैदान में उतारकर ओबीसी वोटों को साधने का प्रयास किया है। कांग्रेस के बागी डॉ. सुरेंद्र लाठर इनेलो के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। डॉ. सुरेंद्र लाठर ने लगभग तीन साल पहले सामाजिक सरोकार परिवार एक संस्था बनाई थी। इस संस्था की पहुंच जुलाना विधानसभा क्षेत्र के हर गांव और हर घर तक है। ऐसे में वह भी क्षेत्र में खासी पकड़ रखते हैं। विनेश फोगाट और डॉ. सुरेंद्र लाठर जाट समुदाय से हैं। जितने अधिक वोट डॉ. सुरेंद्र लाठर को जाएंगे, विनेश फोगाट को उतना ही नुकसान का अंदेशा है। अब यह मतदाताओं पर निर्भर है कि वह किसके सिर ताज पहनाते हैं। फिलहाल असल मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही माना जा रहा है। जाट बहुल विधानसभा क्षेत्र में ओबीसी वोटों की अच्छी खासी संख्या है।

SANT RAVIDAS COMMUNICATION
PRINTERS & ADVERTISERS
प्रचार-प्रसार नही तो व्यापार नही
हिन्दी, इंग्लिश समाचार-पत्रो में
कोर्ट/पब्लिक नोटिस, गुमशुदा, शुभकामनाऐं, श्रद्धांजली, अपील, खोया-पाया, बेदखली नामा, नाम परिवर्तन, सार्वजनिक सूचना, जन्मदिन, शुभविवाह व अन्य क्लासीफाइड विज्ञापन प्रकाशित/छपवाने के लिए संपर्क करे:-
FLAX & ALL PRINTING WORKS
फ्लैक्स बोर्ड, न्यूजपेपर, मैगजिन, पोस्टर, बेनर, हैड बिल व शादी कार्ड व अन्य सभी प्रकार कि प्रिंटिग करवाने के लिए संपर्क करे।
विज्ञापन, साईन बोर्ड, पोल बोर्ड, ऑटो रिक्शा फ्लैक्स, राजनैतिक प्रचार-प्रसार, टीवी चैनलो, यू-ट्यूब व अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन के लिए संपर्क करे।
Add: B-2 Block H.No. 444, Ground Floor, Near by buddh temple, Sultanpuri, Delhi-86
Mo. 9582670662, E-Mail: santravidascommunication@gmail.com

मेला प्रबंधक की घोर लापरवाही कर चला रहे है नशेड़ी झूले, कभी भी हो सकता है, बड़ा हादसा व घटिया खाने-पीने की सामग्री व मनोरंजन कर की चोरी व अवैध गांजा व शराब पीने-पीलाने का चलन जोरो पर

मंगोलपुरी की रामलीला व मेले की सुरक्षा राम भरोसे, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

(वरिष्ठ पत्रकार) विजय कुमार भारती

नई दिल्ली। कला मन्दिर, मंगोलपुरी, दिल्ली में 25 वर्षो से न्यू वक्त क्लब (रजि0) के द्वारा रामलीला व दशहरा उत्सव का आयोजन किया जाता है। लेकिन मेला संचालक द्वारा बगैर किसी एकांउटिंग के प्रतिदिन एक करोड़ का अवैध कलेक्शन किया जा रहा है। दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड, दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को लगाते है करोड़ो का चूना तथा दिल्ली सरकार को मनोरंजन कर भी नही चुकाते प्रतिदिन करोड़ो का करोबार कर रहे है।

न्यू वक्त क्लब (रजि0) के अध्यक्ष ने दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड से खुली-जमीन की अनुमति धार्मिक आयोजन के लिए लेते है और कमर्शियल प्रयोग के लिए मेला प्रबंधक आमिर को 20 करोड़ में देते है, जिससे डीडीए के राजस्व विभाग को करोड़ो का चूना लगाते है।

एक हाथ में खेल-खिलाने बेचने वाले से लेकर रेहड़ी, पटरी, खोमचे, स्टोल, झूले, जुए के अड्डे व अश्लील डांस, जादूगर का इंद्रजाल, फोटोग्राफर व बॉल/रिंग फेंककर गरीब जनता को फंसाकर लालच देकर सरेआम जुए का अड्डा चला रहे है।

ऐसे अनगिनत स्टॉल लगे हैं, जिनसे प्रतिदिन, प्रतिस्टॉल के हिसाब से 5 हजार से लेकर 10 हजार रूपये लेते हैं। मनोरंजन कक्ष में 50 रूपये से लेकर 100 रूपये की टिकट रखी गई है, परन्तु सरकार के पास इनका कोई लेखा-जोखा ही नहीं और इसमें प्रतिदिन 1 करोड़ से लेकर 5 करोड़ रूपये तक की कलेक्शन हो रही है, जिससे दिल्ली सरकार के मनोरंजन टैक्स करोड़ो का घाटा हो रहा है। ये रस्म अदाएगी के लिए छोटी सी आईटीआर भर सरकार को करोड़ों का चूना लगाते हैं। मेले की आड़ में काला-धन खपाकर सफेद रूपये में बदला जा रहा है। ओर तो ओर मेले की सुरक्षा चाक-चौबंद, राम भरोसे है, सुरक्षाकर्मियों की भारी कमी है। मेला प्रबंधक आमिर ने सुरक्षा की आड़ में

आवारातत्व के बाउंसर रख-रखे है, जो महिलाओ व बड़े बुजुर्गो बच्चो से छेड़छाड़, छीटाकशी और मेले में आने वाले व्यक्तियों से मार-पीट व जेब तक का माल चेक करके निकाल लेते है।

मेले में संचालक आमिर ने छोटे बड़े झूले चलाने के लिए नशेड़ी लगा रखे है, जिससे कभी भी मेले में दुघर्टना व बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी भविष्य में भरपाई तक नही की जा सकती।

ऐसे ही मेले में खाने-पीने की खुलेआम घटिया सामग्री परा.ेसी जा रही है, लोगों के स्वास्थ्य व जान-माल से खिलवाड़ किया जा रहा है। मेले में परोसी जा रही खाद्य सामग्री में घटिया जला हुआ व सड़ा हुआ तेल व घुन लगे छोले-भठूरे रात के अंधेरे में गरीब जनता को बेचे जा रहे है। घटिया खाद्य सामग्री में चाउमीन, टिक्की, दही भल्ले, समोसे, ब्रेड, पेटीज ये सभी परोस कर मेले में आए युवा-युवती व बच्चो को गंम्भीर बिमारियों के शिकार बना रहे है

और मेले में रात के अंधरे की आड़ में पाउच बंद पानी पिलाकर लोगो को हैजा, टाइफाइड, मलेरिया जैसी बिमारियों का शिकार बनाकर, उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। मेले व झूले में लगी लाईटो से हर समय स्पार्कीग होती रहती है, मेले के अंदर तो अंदर मेले के बाहर भी अतिक्रमण कर गैर-कानूनी पार्किग चलाई जा रही है और उस पार्किंग में असामा.जिक तत्वो के द्वारा चोरी का खेल रात के अंधेरे में किया जा रहा है। मंगोलपुरी की रामलीला, दि.न.नि और थाना मंगोलपुरी के दायरा क्षेत्र में आती है और तह बजारी अनुसार इनकी रसीद काटकर निगम के खजाने में जानी चाहिए ना की मेला संचालक को।

मेले में आए दर्शकों की जान पर गंभीर खतरा हर समय मंडराता रहता है। हादसे के शिकार दर्शकों के लिए किसी भी प्रकार का इंश्योरेंस नहीं किया जाता है। मेले में आग, र्स्पाकिंग होने पर फायर सिस्टम की व्यवस्था तक नहीं हैं मेले में वायु-ध्वनी प्रदूषण भी हो रहा है। मेले में कानूनी व्यवस्था का तो कोई नाम ही नहीं हैं और रस्म अदाएगी के लिए केवल मेला चौकी पर ही सुरक्षाकर्मी नजर आते है। मेले में दूर-दूर तक सुरक्षाकर्मियों का नाम तक नहीं है। इसी की आड़ में असामाजिक तत्व दर्शकों से बद्तमीजी, जेबतराशी व छेड़छाड़ करते है।

सुरक्षाकर्मियों व मेला संचालक से शिकायत लेकर पहुंचने पर छोटी-मोटी बात कह कर भगा देते है, या फिर डाराते धमकाते है, जिस कारण बेचारा/डर का मारा दर्शक अपनी जान बचाकर घर चला जाता हैं, या फिर कोई तेज तर्रार महिला/पुरूष स्थानीय पुलिस के पास जाकर शिकायत करता है तो स्थानीय थाना पुलिस चौकी थाने में ले जाकर बिठाकर रस्म अदाएगी व कागजी खानापूर्ति कर मामले को रफा-दफा कर देते है। मेला संचालक की लपाहरवाही के कारण पूर्व में भी बड़ा हादसा हो चुके है।

अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा माननीय उपराज्यपाल -दिल्ली, आयुक्त-दिल्ली पुलिस मुख्यमंत्री-दिल्ली सरकार से मांग करती है कि पता: कला मन्दिर, मंगोलपुरी में चलाया जा रहा मेला संचालक के राजस्व कर की चोरी व जुआ और घटिया खाद्य सामग्री परोसने पर कानूनी कार्यवाही व जीएसटी की वसूली की जाए और न्यू वक्त क्लब (रजि0) को ब्लैकलिस्ट किया जाए, पुनः मेला लगाने की अनुमति नही दी जाए।

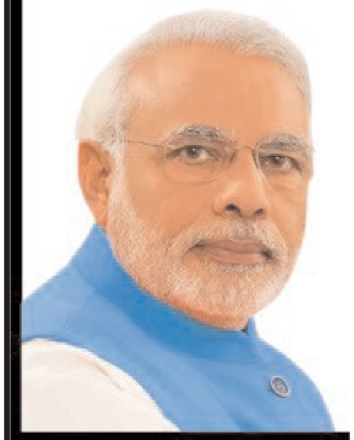

माननीय प्रधानमंत्री-भारत सरकार

एवं उपराज्यपाल, श्री विनय कुमार सक्सेना जी

दिल्ली सरकार के

सिचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग

अधिशासी अभियंताओं द्वारा विकास एवं निर्माण कार्य में

वर्षो से कराऐं गए व कराऐ जा रहे विकास एवं निर्माण कार्य में फर्जी बिल लगाकर।

करोड़ो के घोटाले व भ्रष्टाचार की जांच

श्रीमान निदेशक, सीबीआई, भारत सरकार से कराई जाएं।

छठ घाटो में टेन्ट, पानी टैंकर, बड़े नालो की साफ-सफाई, बॉउन्ड्रीवाल के

फर्जी बिल लगाकरकिए गए करोड़ो के घोटाले और हरे-भरे पेड़ो को काटकर खुलेआम बेचा जा रहा है।

CD-II,III,IV,V,VII,IX,XI,XIII के ई.ई ए.सुरेन कुमार, नागेन्द्र प्रताप मोर्या, सुधीर कुमार आर्य, विवेक चौहान, प्रदीप नेक, अनुराग जैन, बी.डी.शर्मा, गगन गौड़, ए.ई, जे.ई ने ठेकेदारों की मिलीभगत से दिल्ली के विधानसभा क्षेत्रों के विकास एवं निर्माण कार्य में घटिया निर्माण सामग्री और फर्जी बिल बनाकर कर रहे है अपना समाजवाद दूर!

भ्रष्टाचारियों व कमिशन खोरो का अड्डा बना

ई.ई सुरेन कुमार, सतर्कता कार्यालय: बसई दारापुर?

निवेदक: अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा (विज्ञापन)

ओला इलेक्ट्रिक पर सीसीपीए की कार्रवाई, उपभोक्ता अधिकारों के कथित उल्लंघन और भ्रामक विज्ञापनों के लिए नोटिस

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने ग्राहक अधिकार उल्लंघन के लिए ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, कंपनी ने मंगलवार को एक फाइलिंग में एक्सचेंज को सूचित किया।

प्राधिकरण द्वारा नोटिस उपभोक्ता अधिकारों के कथित उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापार प्रथाओं में शामिल होने के लिए जारी किया गया है। कथित तौर पर नोटिस विभिन्न उपभोक्ता शिकायतों और चिंताओं को संबोधित करता है, हालांकि विशिष्ट आरोपों का विवरण अज्ञात है। कंपनी ने अपनी फाइलिंग में, नोटिस मिलने की बात को स्वीकार किया और कहा, कंपनी केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के समक्ष कारण बताओ नोटिस का जवाब दाखिल करेगी। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि कारण बताओ नोटिस का उसके वित्तीय, परिचालन या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों पर कोई तत्काल प्रभाव नहीं पड़ता है। विशेष रूप से, सीसीपीए द्वारा जारी नोटिस इस स्तर पर कोई दंड या वित्तीय जुर्माना नहीं लगाता है। कंपनी ने जोर देकर कहा कि वह नियामक निकाय के साथ सहयोग करेगी और उठाए गए मुद्दों को हल करने के लिए आवश्यक स्पष्टीकरण प्रदान करेगी। सीसीपीए के नोटिस को उपभोक्ता संरक्षण से संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिए प्राधिकरण द्वारा उठाया गया एक औपचारिक कदम माना जाता है। चूंकि कंपनी सीसीपीए का जवाब देने की तैयारी कर रही है, इसलिए उद्योग और उपभोक्ता इस विनियामक जांच के परिणाम पर बारीकी से नजर रखेंगे। भारत के उभरते इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी ओला इलेक्ट्रिक लगातार सुर्खियों में बनी हुई है क्योंकि यह बढ़ती चुनौतियों के बीच अपनी बाजार स्थिति को बनाए रखना चाहती है।

त्योहारों पर लोन सस्ता होगा या महंगा फैसला आज, राहत के लिए रियल एस्टेट उद्योग की नजर आरबीआई पर

मुंबई। आरबीआई की हर दो महीने में होने वाली मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक सोमवार यानी 7 अक्टूबर से शुरू हो गई। एमपीसी के चेयरमैन और आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास बुधवार यानी 9 अक्तूबर को तीन दिवसीय बैठक में लिए गए फैसलों का एलान करेंगे। आम आदमी, शेयर बाजार और निवेशकों को उम्मीद है कि आरबीआई ब्याज दर घटाकर लोगों को सस्ता लोन उपलब्ध कराने का रास्ता खोलेगा, लेकिन जानकारों का मानना है कि केंद्रीय बैंक फिलहाल ऐसे किसी फैसले से परहेज करेगा। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार खुदरा महंगाई अब भी केंद्रीय बैंक के लिए चिंता का सबब है। दूसरी ओर, पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने का असर कच्चे तेल और जिंस की कीमतों पर भी पड़ सकता है। ऐसे में ब्याज दरों में कटौती का कोई फैसला लिया जाएगा इसकी उम्मीद कम है। रियल एस्टेट उद्योग का कहना है कि रियल एस्टेट के जानकारों का कहना है कि देश में दशहरा, धनतेरस ऐसे शुभ दिन अथवा अवसर होते हैं जब लोग अपने नए घरों की बुकिंग के साथ घरों की खरीदारी करते हैं। यदि आरबीआई ब्याज दरों को बढ़ाती है, तो होम लोन की किश्तें बढ़ जाएगी और लोग खरीदारी से पीछे हट सकते हैं। यदि ब्याज दरों में कटौती होती है तो सभी सेक्टर को लाभ होगा। लेकिन जो स्थितियां वैश्विक स्तर पर चल रही है उसको देखते हुए ब्याज दरों में किसी भी प्रकार के बदलाव होने की कम संभावना है। अर्कंड डेवलर्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अमित जैन बताते हैं कि रियल एस्टेट उद्योग को फरवरी 2023 से स्थिर ब्याज दरों का फायदा मिला है, जिसमें होम लोन सहित अनेक लोन दरों को स्थिर बनाए रखने में मदद मिली है। हम आरबीआई से अक्टूबर में 25 बीपीएस से 30 बीपीएस तक दर में कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। यदि ऐसा होता है तो वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के त्योहारी सीजन में होम लोन की मांग बढ़ेगी और घरों की बिक्री में इजाफा होगा। त्योहारी सीजन घरों की बिक्री के लिए महत्वपूर्ण समय है। उन्होंने कहा कि ब्याज दरों में कटौती से देश के सभी बाजारों में मांग बढ़ेगी, लेकिन विशेष रूप से मुंबई में जहां हाल ही में रिकॉर्ड 9 महीने के समय में एक लाख घरों की बिक्री हुई है।

मैजिकब्रिक्स के वित्त प्रमुख हितेश उप्पल कहते हैं कि पिछले कुछ समय से घरों की खरीदारी में उछाल आया है, यह तेजी आगे जारी रहे, इसके लिए ब्याज दरों को स्थिर बनाए रखने की जरूरत है। पिछले साल की तुलना में संपत्ति की कीमतों में भी 20 प्रतिशत तक उछाल आया है। डेवलपर्स त्योहारी ऑफर, आसान भुगतान योजनाओं और विशेष प्रोत्साहनों के साथ प्रतिक्रिया दे रहे हैं, जो लक्जरी और किफायती आवास क्षेत्रों में खरीदारों के लिए निवेश का मौका भी देते हैं।

आवासीय बिक्री में गिरावट : प्रमुख शहरों में नई पेशकश और बढ़ती कीमतों का प्रभाव

नई दिल्ली। देश के शीर्ष आठ शहरों में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान आवासीय बिक्री में पांच प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। रियल एस्टेट ब्रोकरेज मंच प्रॉपटाइगर डॉट कॉम की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यह गिरावट नई पेशकश में कमी और कीमतों में तेजी के कारण हुई है। रिपोर्ट में बताया गया कि इस अवधि में कुल 96,544 इकाइयां बेची गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में बेची गई 1,01,221 इकाइयों से पांच प्रतिशत कम हैं। नए आवासीय इकाइयों की पेशकश में भी कमी आई है, जो सालाना आधार पर 1,23,080 इकाइयों से घटकर 91,863 इकाई रह गई। रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष आठ शहरों में मकानों की कीमतों में औसतन 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। केवल दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिक्री में वृद्धि हुई है, जहाँ बिक्री सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 10,098 इकाई हो गई। हालांकि, अन्य प्रमुख शहरों में बिक्री में गिरावट देखी गई है।

अहमदाबाद, बेंगलुरू, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता और मुंबई में बिक्री में कमी आई है। मुंबई महानगर क्षेत्र में बिक्री 30,299 इकाइयों से घटकर 30,010 इकाई रह गई। प्रॉपटाइगर के व्यवसाय प्रमुख विकास वधावन का कहना है कि बढ़ती कीमतों के प्रति बाजार की प्रतिक्रिया को दर्शाने के लिए बिक्री और नई पेशकश दोनों में सालाना आधार पर गिरावट आई है। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि खरीदार नई मूल्य वास्तविकताओं के साथ समायोजित होंगे।

72फीसदी ग्राहकों ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से बढ़ाई खरीदी की रफ्तार, छोटे शहरों में तेजी से बढ रहा बाजार

नई दिल्ली। मोबाइल फोन और इंटरनेट के बढ़ने के कारण देश के छोटे इलाकों में भी अब ई-कॉमर्स से खरीदने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। 72 फीसदी ग्राहकों का मानना है कि उन्होंने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से अपनी खरीदी बढ़ा दी है। 21 फीसदी ने कहा, वे पहले की ही जितना खरीदी कर रहे हैं। सात फीसदी ने हालांकि कम शॉपिंग की है। फिक्की और डेलॉय की सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि ई-कॉमर्स क्षेत्र दूसरे व तीसरे स्तर के शहरों में तेजी से बाजार बढ़ा रहा है। मध्यम वर्ग के लोगों की आय में इजाफा हो रहा है। ऐसे में ई-कॉमर्स को इससे मदद मिल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, ई-कॉमर्स बाजार के 2023 के अंत तक 85 अरब डॉलर को पार करने की उम्मीद थी।

59फीसदी ने कहा, कम दाम में मिलता है सामान

रिपोर्ट के अनुसार, 59 फीसदी का मानना है कि ई-कॉमर्स पर कम दाम में अच्छा सामान मिलता है। इसलिए वे खरीदी करते हैं। 59 फीसदी लोग सुविधाओं की वजह से जाते हैं। 56 फीसदी ने कहा, पसंद का सामान न होने पर उन्हें रिटर्न करने में सुविधा मिलती है। 51 फीसदी इसलिए खरीदी करते हैं क्योंकि उनको विशेष ऑफर्स मिलते हैं। सात फीसदी ने कहा, उनकी खरीदी का अनुभव अच्छा है।

45फीसदी लोग क्विक कॉमर्स से मंगाते हैं ग्रॉसरी

सर्वे में 45 फीसदी लोगों ने कहा कि वे क्विक कॉमर्स से ग्रॉसरी मंगाते हैं, क्योंकि इसकी डिलीवरी जल्दी होती है। महानगरों में 49 फीसदी तो प्रथम स्तर के शहरों में 47 फीसदी लोग क्विक कॉमर्स से सामान मंगाते हैं। 50 फीसदी महिलाएं भी इसी प्लेटफॉर्म का उपयोग करती हैं। 43 फीसदी पुरुष उपयोग करते हैं।

वृद्धि की वजह छोटे शहर

रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे स्तर के शहर वृद्धि के लिहाज से उभरते हुए चालक हैं।

47फीसदी ने कहा, वे साल में एक या दो बार इलेक्ट्रॉनिक्स सामान ऑनलाइन खरीदते हैं।

39फीसदी का मानना है कि हर तिमाही में एक बार खरीदी करते हैं। 43 फीसदी ने कहा, वे मासिक या तिमाही गैजेट खरीदते हैं।

8फीसदी महिलाएं भी ऑनलाइन गैजेट खरीदने में विश्वास करती हैं।

दो लाख करोड़ डॉलर का होगा उपभोक्ता बाजार

रिपोर्ट में कहा कि नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और आपूर्ति श्रृंखला दक्षता के लिए एक समर्पित उपभोक्ता क्षेत्र परिषद बनाना चाहिए। इस कदम से हमें दो लाख करोड़ डॉलर के उपभोक्ता बाजार की उपलब्धि हासिल करने की दिशा में प्रेरित कर सकते हैं। उपरोक्त कदमों से हम सुनिश्चित कर सकते हैं कि 2030 तक हम तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बन जाएं।

पर्सनल केयर, ब्यूटी में 25 फीसदी खरीद ऑनलाइन

रिपोर्ट के अनुसार, होम, ब्यूटी और पर्सनल केयर में 46फीसदी लोग आधुनिक चैनलों से खरीदी कर रहे हैं। 18त्न सामान्य चैनलों से और 25फीसदी ई-कॉमर्स के जरिये खरीदी कर रहे हैं। उपभोक्ता और स्वास्थ्य वस्तुओं में 24फीसदी लोग ई-कॉमर्स का सहारा लेते हैं। 33 फीसदी आधुनिक चैनल का उपयोग करते हैं।

जिन लोगों की सालाना आय 24,000 डॉलर से कम है वे महंगाई के कारण कम खर्च कर रहे हैं। जिनकी आय 60,000 डॉलर से ज्यादा है, वे प्रमोशन और छूट पर खरीदारी करने पर जोर देते हैं।

स्वास्थ्य के लिए ज्यादा भाव देने को तैयार

78फीसदी ग्राहकों का मानना है कि स्वास्थ्य उत्पादों पर वे ज्यादा कीमत देने को तैयार हैं। 63फीसदी लोग प्राकृतिक तो 55त्न लोग आर्गेनिक उत्पादों के लिए ज्यादा कीमत चुकाने को तैयार हैं।

ज्यादातर लोग कमाई का 20फीसदी तक करते हैं खर्च

सर्वे में 65 फीसदी ने कहा, वे अपनी आय का 20 फीसदी से कम खर्च ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक्स की खरीदी पर खर्च करते हैं। 37 फीसदी लोग 20 फीसदी से ज्यादा खर्च करते हैं। 45 फीसदी भारतीयों का विश्वास स्थानीय ब्रांड पर है।

एफएमसीजी चौथा सबसे बड़ा क्षेत्र

भारतीय अर्थव्यवस्था में एफएमसीजी चौथा सबसे बड़ा क्षेत्र है। 2023 में यह 144 अरब डॉलर का था। इससे 30 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलता है। शहरी ग्राहकों में से 22फीसदी लोग ई-कॉमर्स से एफएमसीजी उत्पाद खरीदते हैं। क्विक कॉमर्स से 12फीसदी लोग खरीदारी करते हैं। सामान्य चैनलों से 25फीसदी लोग खरीदी करते हैं।

सीबीडीटी ने आयकर अधिनियम की व्यापक समीक्षा के लिए समिति गठित की, आम लोगों से मांगे गए सुझाव

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर अधिनियम, 1961 (अधिनियम) की व्यापक समीक्षा की देखरेख के लिए एक आंतरिक समिति का गठन किया है। समिति के गठन का एलान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 के बजट भाषण में किया था। सीबीडीटी के इस कदम का लक्ष्य अधिनियम को संक्षिप्त, स्पष्ट और समझने में आसान बनाना है। सरकार का मानना है कि आयकर अधिनियम को सरल बनाने से विवाद और मुकदमेबाजी कम होगी। इसके साथ ही करदाता भी निश्चित रह सकेंगे। समिति ने गठन के बाद चार श्रेणियों में आम लोगों के इनपुट और सुझाव भी आमंत्रित कर दिए हैं। लोगों से भाषा के सरलीकरण, मुकदमेबाजी में कमी, अनुपालन में कमी और अनावश्यक/अप्रचलित प्रावधानों पर विचार मांगे गए हैं। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, ई-फाइलिंग पोर्टल पर एक वेबपेज लॉन्च किया गया है, जिसे इस यूआरएल पर एक्सेस किया जा सकता है। लोगों को आयकर अधिनियम 1961 या आयकर नियम 1962 की विशिष्ट धारा, उपधारा, खंड, नियम, उपनियम या फॉर्म संख्या का उल्लेख करते हुए अपना सुझाव देने के लिए कहा गया है। सीतारमण ने अपने बजट भाषण में जोर देकर कहा था कि अधिनियम की व्यापक समीक्षा से मुकदमेबाजी में कमी आएगी। उन्होंने प्रस्ताव दिया था कि छह महीने में समीक्षा पूरी हो जाएगी। फिक्की-डेलॉय की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय ई-कॉमर्स बाजार 2030 तक 325 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है। यह सालाना, 21त्न की मजबूत सीएजीआर (सालाना वृद्धि दर) से बढ़ रहा है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को %फिक्की मैसमेराइज 2024% के 13वें संस्करण को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस दौरान उन्होंने सभी क्षेत्रों में उत्पाद की गुणवत्ता पर कभी समझौता न करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल कंपनी की प्रतिष्ठा बल्कि भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय मानकों को स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिलेगी। प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने सेबी के आदेश पर रोक लगा दी है। सेबी ने आदेश में रियल एस्टेट कंपनी ओमेक्स, उसके चेयरमैन रोहतास गोयल, एमडी मोहित गोयल एवं अन्य को कंपनी के वित्तीय विवरणों में गलत जानकारी देने के लिए प्रतिभूति बाजार से दो साल के लिए प्रतिबंधित किया था। नई दिल्ली। हीरो मोटर्स ने 900 करोड़ रुपये वाले आईपीओ के मसौदे को 5 अक्तूबर को वापस ले लिया है। इसका कोई कारण नहीं बताया गया है। कंपनी 500 करोड़ नए शेयरों से और बाकी ऑफर फॉर सेल से जुटाने वाली थी। इसने अगस्त में सेबी के पास मसौदा जमा कराया था। नई दिल्ली। बैंक ऑफ इंडिया ने सितंबर तिमाही में 14.4 फीसदी ज्यादा कर्ज दिया है। इसकी कुल उधारी 6.21 लाख करोड़ रुपये हो गई है। कुल जमा 10.1 फीसदी बढ़कर 7.75 लाख करोड़ रहा है।

निगम में आप पार्टी की छवि को धूमिल कर रहे है, भ्रष्ट अभियंता

सिविल लाईन जोन, भवन विभाग-2 में बिल्डर माफिया और भ्रष्ट अभियंताओं की मिलीभगत से अवैध निर्माण युद्ध स्तर पर जारी....

भ्रष्टाचार की काली कमाई से अभिंयताओं और उपायुक्त की भरी तिजोरियां

दि.न.नि के आयुक्त श्री अश्वनी कुमार व मुख्य सतर्कता अधिकारी जी आप के राज में चल रहा है भष्टाचार का खेल?

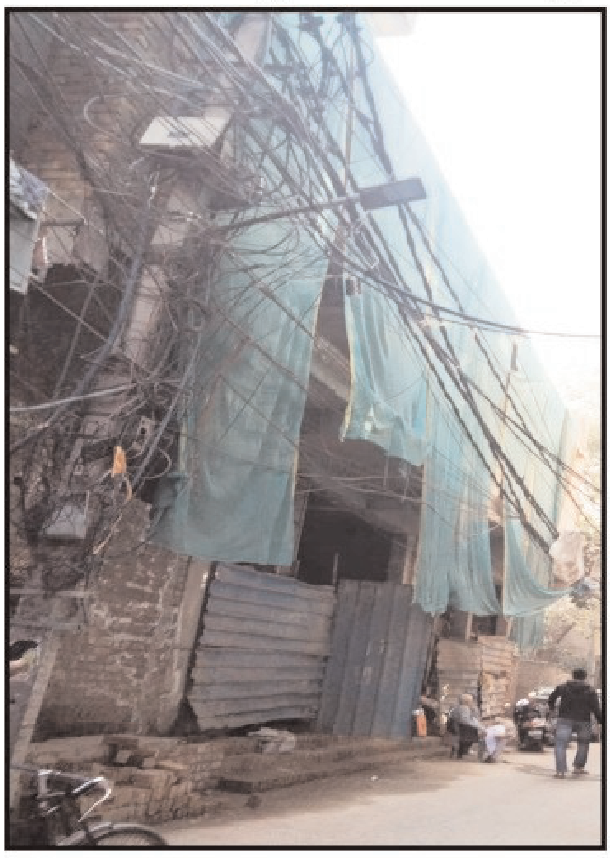

सिविल लाईन जोन में बिल्डर माफिया का राज, स्लम युक्त बनते जा रहे है, सभी वार्ड में चार से पांच मंजिला, अवैध बिल्डिंग व अवैध बेसमेन्ट सहित गैर-कानूनी तरीके से धड़ल्ले से किए जा रहे है अवैध निर्माण

भवन विभाग-2, ई.ई श्री राहुल सारस्वत, ए.ई श्री एस.ए.नेयाजी, श्री धीरेन्द्र कुमार, श्री संजीव कुमार, श्री राम, जे.ई श्री गौरव यादव, श्री एल.एन.मीणा, श्री चरणजीत ने वार्ड नं. 14 (धीरपुर), 16 (आजादपुर), 17 (भलस्वा डेरी), 19 (सरूप नगर), 20 (समयपुर बादली) में बिल्डर माफिया और प्राईवेट बेलदारो के मार्फत से की जा रही करोड़ो रूपये के अवैध उगाही

काले धन से खरीदी करोड़ो रूपये की चल-अचल, बेनामी सम्पत्ति की जांच श्रीमान निदेशक, सीबीआई, भारत सरकार से कराकर अभियंताओं को किया जाए गिरफ्तार

विज्ञापन............ **अध्यक्षः अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा**